

अधिकार रहित वि. (तत्.) शा.अर्थ. बिना अधिकार के वाणि. (शेयरों की ऐसी ब्रिक्री) जिसमें यह शर्त हो कि कंपनी द्वारा जारी किए जाने वाले शेयरों को विक्रेता ही खरीदेगा, क्रेता को उन्हें आबंटित कराने का अधिकार नहीं होगा तु. अधिकार सहित।

अधिकार सिद्धि स्त्री. (तत्.) विधि. 1. प्रमाण प्रस्तुत करके अपने अधिकार को पुष्ट करना।

अधिकार सीमा स्त्री. (तत्.) अधिकार क्षेत्र, उपर्युक्त अधिकार क्षेत्र की तरह अन्य अर्थों में प्रयुक्त।

अधिकारस्थ वि. (तत्.) पदारूढ, पदासीन, अधिकार प्राप्त।

अधिकारातीत वि. (तत्.) अपने अधिकार, स्वामित्व, प्रभुत्व, स्वत्व, हक, सामर्थ्य, योग्यता, जानकारी से बाहर का।

अधिकाराधीन वि. (तत्.) जो अधिकार में हो 2. जो अधिकार-सीमा में हो।

अधिकारिणी स्त्री. (तत्.) 1. जिसके पास अधिकार हो 2. पात्रता-प्राप्त महिला 3. शासिका वि. अधिकार रखने वाली, हकदार।

अधिकारिता स्त्री. (तत्.) 1. न्यायालय अधिकरण, अधिकारी, प्राधिकारी आदि का किसी विचारणीय विषय पर विचार और निर्णय करने की विधि प्रदत्त अधिकार क्षेत्र 2. वह कार्यक्षेत्र जिसकी शक्ति या सीमा के भीतर निर्णय को विचार और निर्णय की शक्ति प्राप्त रहती है, क्षेत्राधिकार।

अधिकारी पुं. (तत्.) 1. प्रायः अराजपत्रित कर्मचारियों का पर्यवेक्षण करने वाला उच्च पदाधिकारी, अफसर 2. प्रभु, स्वामी, मालिक, स्वत्वधारी 3. किसी भी श्रेणी का कोई भी पदाधिकारी या कर्मचारी वि. 1. स्वत्व रखने वाला 2. पात्रता-प्राप्त सुयोग्य, सक्षम।

अधिकारीतंत्र पुं. (तत्.) 1. किसी देश की सरकार के सभी विभाग, उच्चपदधारी तथा अन्य प्रशासनिक एवं महत्वपूर्ण अधिकारी 2. सरकारी विभागों, प्रशासकों एवं अधिकारियों के हाथों में शक्ति के संकेंद्रण से उत्पन्न शासनतंत्र, नौकरशाही।

अधिकारी-वर्ग पुं. (तत्.) अफसरों का समूह।

अधिकार्थ पुं. (तत्.) वह वाक्य या शब्द जिससे किसी पद का एक से अधिक अर्थ व्यक्त हो या उस के अर्थ में विशेषता आ जाए।

अधिकार्थता स्त्री. (तत्.) एक से अधिक अर्थ व्यक्त करने की क्षमता।

अधिकार्बन इस्पात पुं. (तत्.) वह इस्पात जिसमें कार्बन की मात्रा अधिक होती है।

अधिकालंकार(अधिक+अलंकार) पु. (तत्.) काव्य. एक अर्थालंकार, आधेय या आधार के उत्कर्ष का वर्णन करने से होने वाला अलंकार।

अधिकीलन पुं. (तत्.) वाणि. किसी प्रतिभूति वस्तु, मुद्रा आदि की कीमत को अधिकृत रूप से स्थिर कर देना।

अधिकृत वि. (तत्.) 1. आधिकारिक रूप में दिया गया या जारी किया गया 2. जिसे अधिकार दिया गया हो 3. जिस पर अधिकार किया गया हो 4. प्रामाणिक पुं. (तत्.) अधिकारी, अध्यक्ष।

अधिकृत पूंजी स्त्री. (तत्.) किसी निगम के चार्टर के अधीन जारी करने के लिए प्राधिकृत ईक्विटी शेयर का कुल अभिदत्त मूल्य।

अधिकृत संस्करण पुं. (तत्.) किसी पुस्तक या रचना के लेखक या उसके अधिकार प्राप्त प्रतिनिधि की सहमति से प्रकाशित किया गया संस्करण।

अधिकृति स्त्री. (तत्.) अधिकार, स्वत्व।

अधिकेंद्र पुं. (तत्.) भूवि. पृथ्वी तल का वह बिंदु क्षेत्र जो किसी भूकंप के उद्गम केंद्र के ठीक ऊपर होता है। epicenter

अधिकोष पुं. (तत्.) वह संगठन जिसमें दूसरों को रुपया-पैसा जमा करने और लोगों को ऋण देने आदि का कारोबार होता है, बैंक।

अधिकोष प्रभार पु. (तत्.) बैंकि. बैंक द्वारा अपनी सेवाओं के लिए ग्राहकों से लिया जाने वाला व्यय/ शुल्क/बैंक-प्रभार।